भारतात्मा अशोकजी सिंघल आदर्श वेदाध्यापक पुरस्कार - २०२५

आवेदन (भाग-१ व भाग-२) हेतु आवश्यक दिशानिर्देश

आवेदन दिनांक -
भाग-१ - २०२५-७-१ से २०२५-८-३१
भाग-२ - २०२५-७-१५ से २०२५-८-३१

आवेदनपत्र भरने से पूर्व आवेदन हेतु योग्यताओं / नियमों एवं दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें।

१. सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा विजेता के आँकलन का मूल आधार वेदाध्यापक का आवेदन-पत्र ही है। अतः आवेदनपत्र में माँगी गई सभी जानकारियाँ पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से भरें।
२. भारतात्मा पुरस्कार की आदर्श वेदाध्यापक श्रेणी हेतु आवेदन दो चरणों (भाग-१ एवं भाग-२) में आमन्त्रित किए जा रहे हैं।
३. आवेदनपत्र भाग-१ में आवेदक सम्बन्धी आवश्यक प्राथमिक जानकारियाँ तथा भाग-२ में वेदाध्यापन सम्बन्धी विस्तृत जानकारियाँ माँगी गई हैं।
४. सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा भाग -१ की समीक्षा के उपरान्त चयनित आवेदकों को ही भाग-२ भरने हेतु सूचित किया जायेगा।

आवेदन सम्बन्धी योग्यता / पात्रता मापदण्ड

यदि मापदण्डों की पूर्णता में कोई सन्देह हो, तो भी आप अपना आवेदन यथायोग्य अवश्य भरें, सिंघल फॉउण्डेशन आँकलन के समय आपसे सम्पर्क कर आवेदन पत्र को संशोधित कर लेगा।

१. शिक्षा स्तर: निम्न सूची के अनुसार आपने न्यूनतम "स्तर-२" की योग्यताएँ प्राप्त की हो।
***वेद समकक्षता सूची**

अध्ययन स्तर	ऋग्वेद	कृष्ण यजुर्वेद	शुक्ल यजुर्वेद	सामवेद	अथर्ववेद
स्तर-१	क्रमपाठ	क्रमपाठ	क्रमपाठ	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगान से महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमन्त्रब्राह्मण	सम्पूर्ण अथर्ववेद संहिता, गोपथ ब्राह्मण,मुण्ड व माण्डूक्य उपनिषद्, माण्डूकीशिक्षा कौशिक गृह्यसूत्र, वैखानस श्रौतसूत्र
स्तर-२	घनपाठ	घनपाठ	घनपाठ (बृहदारण्यक के साथ)	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगान से महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमन्त्रब्राह्मण, ऊहगान, रहस्यगान और सम्पूर्ण छान्दोग्योपनिषद्	उपर्युक्त और अथर्वज्योतिष, कौश्यनिघण्टु,पिङ्गलनागछन्दसूत्र, अष्टाध्यायी, संहिता पञ्चलक्षणभाष्य

२. वेदविद्या के आरम्भ (संहिता / मूलान्त) से वर्तमान योग्यता स्तर की सभी परीक्षाओं की उत्तीर्णता के प्रमाण आपके पास उपलब्ध होने चाहिए।
३. **पूर्णकालिक वेदाध्यापक :** वर्तमान में आपका श्रुति परम्परा से पूर्णकालिक वेदाध्यापक होना आवश्यक है।
४. वेदाध्यापक न्यूनतम विगत दस वर्षों से निरन्तर वेदाध्यापन कर रहे हों।
५. यदि वेदाध्यापक कुमाराध्यापक हैं या अपने वेदविद्यालय के एकमात्र वेदाध्यापक हैं, तो वर्तमान में आपके पास तीन या तीन से अधिक वेदविद्यार्थी अध्ययनरत होने आवश्यक हैं और यदि वेदाध्यापक किसी अन्य वेदविद्यालय में वेदाध्यापन कर रहे हैं, तो वर्तमान में वेदाध्यापक के पास पाँच या पाँच से अधिक वेदविद्यार्थी अध्ययनरत होने आवश्यक हैं।
६. **भारतात्मा पुरस्कार के पूर्व विजेता :** आप विगत तीन वर्षों में भारतात्मा पुरस्कार के विजेता नहीं रहे हो।

आवेदनपत्र (भाग-१ व भाग-२) को भरने से सम्बन्धित विशेष दिशानिर्देश

१. भारतात्मापुरस्कार हेतु ऑफलाइन आवेदन (भाग-१ व भाग-२) नियत दिनांक के पूर्व जमा सिंघल फाउण्डेशन के कार्यालय में डाक, इमेल के माध्यम से अथवा स्वयं उपस्थित होकर जमा करें।
२. आवेदन हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में ही भरें।
३. आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले प्रमाणपत्र/अङ्कतालिका हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी से भिन्न भाषा में हो, तो उक्त प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि पर नाम, प्रमाणपत्र/अङ्कतालिका की दिनाङ्क, विषय इत्यादि आवश्यक जानकारियों को हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी में लिखकर प्रतिलिपि संलग्न करें।
४. किसी भी प्रकार के मूल अभिलेख आवेदन के साथ संलग्न न करें।
५. आवेदन जमा करने से पूर्व भली प्रकार से भरे हुए आवेदन को जाँच लें, कि आपके द्वारा भरा हुआ आवेदन पूर्ण एवं सही है।
६. आवेदन सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करे सकते हैं।
७. आवेदन निम्न माध्यम से कार्यालय में भेज सकते हैं।
    - **डाक / कूरियर द्वारा:** सिंघल फॉउण्डेशन C/O सिक्योर मीटर्स लिमिटेड, ई क्लास प्रताप नगर इण्डस्ट्रियल एरिया, उदयपुर ३१३००१, राजस्थान।
      Singhal Foundation C/O Secure Meters Ltd
      E Class Pratap Nagar Industrial Area Udaipur 313001 Rajasthan,
      Mobile - +917357658777.
    - **ईमेल:** applications@bharatatmapuraskar.org (.pdf file 3 MB से बड़ी न हो)
    - **मोबाइल:** +91 73576 58777

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेदपुरस्कार-२०२५

आदर्श वेदाध्यापक

वेदाध्यापक आवेदनपत्र - भाग-१

१. नाम : _____

२. पिता का नाम : _____

३. माता का नाम : _____

४. जन्म-दिनांक : _____

५. जन्म-स्थान : _____

६. ऋषिगोत्र : _____

७. आधारकार्ड नम्बर : _____

८. पत्राचार हेतु पता पिन कोड सहित :

_____

_____

_____

_____

९. मोबाइल नम्बर: _____

१०. ईमेल आईडी : _____

११. आवेदन सम्बन्धित वार्ता आपसे किस भाषा में की जाए?

☐ हिन्दी ☐ संस्कृतम् ☐ English

१२. वैवाहिक स्थिति?

☐ विवाहित ☐ अविवाहित

पत्नी का नाम : _____

१३. स्ववेदशाखा : _____

१४. अधीत वेद : _____

१५. अधीत वेदशाखा : _____

१६. वेदविद्या सम्बन्धित आपने कौनसी उच्चतम परीक्षा उत्तीर्ण की है?

परीक्षा का नाम :_____ परीक्षा वर्ष :_____

उत्तीर्ण श्रेणी :_____परीक्षण संस्थान :_____

☐ प्रमाणपत्र संलग्न कर दिया।

१७. आपके गुरुजी का नाम जिनसे सीख कर आपने उपर्युक्त परीक्षा उत्तीर्ण की :

_____

१८. यदि उपर्युक्त वेदाध्यापक आपके निकट परिजन हो तो पारिवारिक सम्बन्ध का विवरण दीजिये : _____

१९. क्या आपने ऐसा वेद ज्ञान प्राप्त किया है जो लुप्तप्राय अथवा दुर्लभ माना जाता है? विवरण दीजिए (उत्तर अधिकतम चार पंक्तियों में लिखें) :

_____

२०. कुमाराध्यापकों के लिये विशेष : यदि आप कुमाराध्यापक हैं या अपने घर में वेद शिक्षा प्रदान कर रहे हैं तो आपके वेदविद्यालय में वेदविद्यार्थियों की संख्या कितनी है?

_____

२१. आपके वेदाध्यापन का क्रम से वर्णन :

क्र० सं०	माह/वर्ष से	माह/वर्ष तक	वेदविद्यालय का नाम	स्थान	राज्य
१					
२					
३					
४					
५					

२२. वर्तमान संस्था, जहां आप अध्यापन कर रहे हैं, का नाम व पूरा पता :

_____

_____

_____

_____

संस्था प्रमुख का नाम :

_____

संस्था प्रमुख का मोबाइल नम्बर :

_____

२३. वर्तमान में आप द्वारा वेदाध्ययन कर रहे वेदविद्यार्थियों की संख्या :

शिक्षा स्तर	विद्यार्थी संख्या
मूलान्त	
स्तर-१	
स्तर-२	
उच्चतर स्तर	
कुल योग	

२४. अपने संपूर्ण वेदाध्यापनकाल में अध्यापित वेदविद्यार्थियों का विवरण :

शिक्षा स्तर	विद्यार्थी संख्या
मूलान्त	
स्तर-१	
स्तर-२	
उच्चतर स्तर	
कुल योग	

२५. दुर्लभ अथवा लुप्तप्राय वेदशाखा / वेदज्ञान के अध्ययनाध्यापन, संरक्षण-संवर्धन के लिए आप द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिये। (उत्तर अधिकतम चार पंक्तियों में लिखें)

_____

_____

_____

_____

२६. क्या आपने अपने निकट परिजनों को वेदाध्ययन करवाया है? यदि हाँ, तो उनका विवरण: नाम :

क्रम सं०	नाम	पारिवारिक सम्बन्ध	वेदाध्ययन-स्तर	वर्तमान व्यवसाय
१				
२				
३				
४				
५				

२७. आपके द्वारा वेद के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिये किए गए मुख्य प्रयासों का उल्लेख कीजिये। (उत्तर अधिकतम चार पंक्तियों में लिखें) :

_____

_____

_____

_____

२८. अपने वेदाध्यापन की पाँच ऐसी उप्लब्धियाँ बताएँ जिनसे आप स्वयं गौरवान्वित हैं। (उत्तर अधिकतम पाँच पंक्तियों में लिखें)

_____

_____

_____

_____

_____

२९. एक आदर्श वेदाध्यापक के गुणों का विवरण दीजिए। (उत्तर अधिकतम चार पंक्तियों में लिखें)

_____

_____

_____

_____

३०. आज की युवा पीढ़ी अपने दैनिक जीवन में वेद का महत्त्व नहीं समझती। आप ऐसे लोगों को वेद का महत्त्व कैसे समझाएँगे? (उत्तर अधिकतम चार पंक्तियों में लिखें):

_____

_____

_____

_____

३१. आवेदक का शपथ पत्र:

मैं (आवेदक का पूरा नाम) _____ एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से यह प्रमाणित करता हूँ कि:

- मैं वेद विद्या का वर्तमान में पूर्णकालिक वेदाध्यापक हूँ;
- मेरा पूर्णकालिक वेदाध्यापन विगत _____ वर्षों से निरन्तर चल रहा है;
- इस आवेदन पत्र में दी गई सभी जानकारी (सं० ङ ४ व ङ ५ को छोड़कर जिनके उत्तर मेरी व्यक्तिगत मान्यताओं पर आधारित हैं अथवा मेरी राय है) पूर्णतया सत्य हैं;
- इस आवेदन से संलग्न सभी अनुबन्धों व प्रमाण पत्रों में दी गई जानकारी सत्य है।

मैं स्वीकार करता हूँ कि यदि यह शपथ पत्र असत्य पाया गया तो मैं व मेरे सभी वेदविद्यार्थी सदा के लिये भारतात्मा पुरस्कार के लिये अयोग्य माने जा सकते हैं।

मैंने सभी तथ्यों की पुष्टि करने के बाद इस शपथपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं। मैं इस शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने के महत्त्व व निहितार्थ को पूरी तरह से समझता हूँ।

आवेदक के हस्ताक्षर :

आवेदक का पूरा नाम : _____

स्थान : _____

दिनांक : _____

यदि आप संस्था द्वारा सञ्चालित वेदविद्यालय में वेदाध्यापन कर रहे हैं तब संस्था प्रमुख का शपथ पत्र आवश्यक है।

संस्था प्रमुख का शपथ पत्र :

एतद् द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक इस संस्था में वेदाध्यापक है और उपर्युक्त सम्पूर्ण जानकारी सर्वथा सत्य है।

संस्थाप्रमुख के हस्ताक्षर : _____

संस्थाप्रमुख का नाम : _____

वेदविद्यालय का नाम: _____

स्थान: _____

दिनांक: _____